बीएएनसी 106

विज्ञान स्नातक (ऑनर्स)

मानवविज्ञान

(बीएससीएएनएच)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2026- जनवरी 2027

बीएएनसी 106: मानव पारिस्थितिकी: जैविक और सांस्कृतिक आयाम

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदानगढ़ी,

नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय** कार्य **(टी.एम.ए.)** करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनसी 106 : मानव पारिस्थितिकीः जैविक और सांस्कृतिक आयाम** नामक कोर पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न तथा लघु श्रेणी के प्रश्न शामिल हैं। मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले विषय का तर्कों एवं व्याख्याओं के आधार पर विश्लेषण करना आवश्यक होता है तथा उसके बाद संक्षिप्त एवं सुव्यवस्थित उत्तर प्रस्तुत करना होता है। इन प्रश्नों का उद्देश्य अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं के मध्य अंतर स्पष्ट करने, उनकी तुलना एवं विरोधाभास प्रस्तुत करने तथा उनके प्रति स्पष्ट समझ विकसित करने की आपकी क्षमता का मूल्यांकन करना है। लघु श्रेणी के प्रश्न का उद्देश्य व्यक्तियों, लेखनों, घटनाओं अथवा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं से संबंधित प्रासंगिक एवं सटीक जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने तथा उनके प्रति स्पष्ट समझ विकसित करने की आपकी क्षमता का आकलन करना है।

सत्रीय कार्य-III के प्रश्न प्रायोगिक पुस्तिकाध परियोजना मैनुअल पर आधारित हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से आप शोध परियोजना की रूपरेखा तैयार करने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे तथा क्षेत्रीय अध्ययन में विभिन्न उपकरणों एवं तकनीकों के अनुप्रयोग संबंधी अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकेंगे।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम संदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

पूर्ण किये गये असाइमेंट (सत्रीय कार्य) को जमा करना:

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2026	30 अप्रैल 2027	**अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्र के समन्वयक को**
जनवरी 2027	30 सितंबर 2027	

अपना सत्रीय कार्य जमा करने के लिए अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्र पर जाएँ और जमा किए गए सत्रीय कार्यों की रसीद प्राप्त करें और उसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक जिरॉक्स प्रति (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केंद्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण

कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतिकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ

मानवविज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ,

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

BANC 106: मानव पारिस्थितिकी: जैविक और सांस्कृतिक आयाम

(अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य)

(TMA)

कोर्स कोड: बीएएनसी 106

असाइनमेंट कोड: BANC 106/ASST/TMA/ जुलाई 2026–जनवरी 2027

कुल अंक: 100

निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और तदनुसार उत्तर दें। सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। आपको सभी अनुभागों से सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में प्रत्येक के बारे में 500 शब्दों में उत्तर दें। 20X2 = 40

(क) मानव पारिस्थितिकी की अवधारणा को परिभाषित कीजिए तथा मानवविज्ञान के साथ इसके संबंध का परीक्षण कीजिए।

(ख) पारिस्थितिकी और रोगों के मध्य संबंध की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में प्रत्येक के बारे में 250 शब्दों में उत्तर दें 10X 2= 20

(क) गर्म एवं शीत वातावरण के प्रति मानव अनुकूलन (भ्नउंद ।कंचजंजपवद) की विवेचना कीजिए।

(ख) जन्म दर तथा मृत्यु दर का वर्णन कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के उत्तर 125 शब्दों में दीजिए। 2X5= 10

(क) प्रदूषक

(ख) सांस्कृतिक भौतिकवाद

(ग) कृषक वर्ग

(घ) मानव पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन

(ङ) ऐलन का नियम

सत्रीय कार्य – III

(क) मानवविज्ञान के किसी भी अपनी पसंद के विषय पर एक नमूना शोध–प्रस्ताव लिखिए। **10**

(ख) आँकड़ों के विश्लेषण, व्याख्या तथा शोध–प्रतिवेदन लेखन की क्रमबद्ध प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **20**